BYJU'S EXAM PREP

# Daily Editorial Analysis

## अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

# Important Editorial Analysis

# अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की परिकल्पना भारत और फ्रांस द्वारा 'सौर ऊर्जा समाधानों' के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के खिलाफ प्रयासों को संगठित करने संबंधी संयुक्त प्रयास के रूप में की गई थी, हाल ही में, नेपाल ने 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' फ्रेमवर्क समझौते' पर हस्ताक्षर किये जिसके साथ ही 'अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन' फ्रेमवर्क समझौते' पर हस्ताक्षर करने वाले सदस्य देशों की संख्या 105 हो गयी है।

लगभग सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में कई करेंट अफेयर्स आधारित पर्यावरण संबंधी प्रश्न पूछे जाते हैं। यहां, हम आपको महत्वपूर्ण करंट अफेयर्स आधारित पर्यावरण विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन लेख प्रदान कर रहे हैं जो आगामी यूपी राज्य परीक्षा में पूछा जा सकता है और यूपीपीएससी 2022 के लिए भी उपयोगी है।

## अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन क्या है?

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन एक भारतीय पहल है जिसे भारत के प्रधानमंत्री और फ्राँस के राष्ट्रपति द्वारा 30 नवंबर, 2015 को फ्राँस के पेरिस में UNFCCC के पक्षकारों के सम्मेलन (COP-21) में 121 सौर संसाधन समृद्ध राष्ट्रों के साथ शुरू किया गया था, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की कल्पना कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच में पूरी तरह से या आंशिक रूप से स्थित सौर-संसाधन संपन्न देशों के गठबंधन के रूप में की गई थी, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का मुख्यालय भारत में स्थित है और इसका सचिवालय गुरुग्राम में स्थापित किया गया है।

## अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के प्रमुख उद्देश्य:

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन की परिकल्पना कई उद्देश्यों के साथ की गई थी जिसमें से कुछ महत्वपूर्ण उद्देश्य इस प्रकार है-

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का उद्देश्य सदस्य देशों की विशेष ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए वैकल्पिक ऊर्जा के साधन के रूप में सौर ऊर्जा के उपयोग को आगे बढ़ाना है।

BYJU'S EXAM PREP

- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का प्राथमिक उद्देश्य जीवाश्म ईंधन पर ऊर्जा की निर्भरता को खत्म कर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देता है।
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का उद्देश्य सदस्य देशों में सौर ऊर्जा के विस्तार हेतु प्रमुख चुनौतियों का मिलकर एक साथ सामूहिक रूप से समाधान करना है।
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के प्रमुख उद्देश्यों में 1,000GW से अधिक सौर उत्पादन क्षमता को वैश्विक रूप से परिनियोजित करना तथा वर्ष 2030 तक सौर ऊर्जा में 1000 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश जुटाना शामिल है।

## अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन में महानिदेशक की भूमिका क्या है?

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का नेतृत्व महानिदेशक द्वारा किया जाता है, जिसका कार्यकाल चार वर्ष का होता है और वह पुन: चुनाव के लिए पात्र होता है, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन महानिदेशक का मुख्य कार्य अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन सचिवालय के कार्यों का संचालन करना है। वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के महानिदेशक महामहिम श्री उपेन्द्र त्रिपाठी जी है।

## अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन द्वारा संचालित प्रमुख कार्यक्रम:

अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के कुछ प्रमुख कार्यक्रम है जो पर्यावरण को संरक्षित करने में उपयोगी साबित हो होंगे, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के प्रमुख कार्यक्रम इस प्रकार है-

- कृषि उपयोग के लिए सौर अनुप्रयोग अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम व्यापक स्तर पर वहनीय वित्त सुनिश्चित करना है।
- बड़े पैमाने पर सौर पार्कों का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है पर्यावरण को संरक्षित करने में उपयोगी साबित हो सकता है।
- 'सौर ई-गतिशीलता' और भंडारण अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।
- बड़े पैमाने पर सौर छत (Solar Rooftops) का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम है।

## अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन का वर्तमान परिपेक्ष्य में महत्त्व:

सौर ऊर्जा ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत है ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन वर्तमान परिपेक्ष्य में काफी महत्वपूर्ण हो सकता है अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन के महत्त्व निम्नलिखित है-

- कम लागत की प्रौद्योगिकी से अधिक महत्वाकांक्षी सौर ऊर्जा कार्यक्रमों को शुरू किया जा सकता है।
- सौर ऊर्जा, सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा का प्रमुख स्रोत है।
- अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन द्वारा संचालित परियोजना का सफल कार्यान्वयन, सार्वभौमिक ऊर्जा पहुंच लक्ष्य (SDG 7) को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।
- एक क्रियान्मुख संगठन के रूप में, अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन वैश्विक मांग में वृद्धि हेतु, सौर क्षमता समृद्ध देशों को एक साथ लाता है, जिससे ऊर्जा की थोक खरीद से कीमतों में कमी आती है तथा मौजूदा सौर प्रौद्योगिकियों को विस्तार की सुविधा प्राप्त होती है।